



Mr.

13 Feb 2004

06:29 AM

Delhi

ଲିଙ୍ଗ \_\_\_\_\_ : ପୁଲିଙ୍ଗ

ଜନ୍ମ ତିଥି \_\_\_\_\_ : **12-13/02/2004**

ଦିନ \_\_\_\_\_ : ଗୁରୁ-ଶୁକ୍ରବାର

ଜନ୍ମ ସମୟ \_\_\_\_\_ : **06:29:00** ଘଣ୍ଟା

ଇଷ୍ଟ \_\_\_\_\_ : **58:35:27** ଘଣ୍ଟା

ସ୍ଥାନ \_\_\_\_\_ : **Delhi**

ଦେଶ \_\_\_\_\_ : **India**

ଅକ୍ଷାଂଶ \_\_\_\_\_ : **28:39:00** ଉତ୍ତର

ରେଖାଂଶ \_\_\_\_\_ : **77:13:00** ପୂର୍ବ

ମଧ୍ୟ ରେଖାଂଶ \_\_\_\_\_ : **82:30:00** ପୂର୍ବ

ସ୍ଥାନିକ ସଂସ୍କାର \_\_\_\_\_ : **-00:21:08** ଘଣ୍ଟା

ଗ୍ରୀଷ୍ମ ସଂସ୍କାର \_\_\_\_\_ : **00:00:00** ଘଣ୍ଟା

ସ୍ଥାନିୟ ସମୟ \_\_\_\_\_ : **06:07:52** ଘଣ୍ଟା

ବେଳାନ୍ତର \_\_\_\_\_ : **-00:14:16** ଘଣ୍ଟା

ସାତ୍ତ୍ୱିକ କାଳ \_\_\_\_\_ : **15:37:33** ଘଣ୍ଟା

ସୂର୍ଯ୍ୟ ଉଦୟ \_\_\_\_\_ : **07:02:49** ଘଣ୍ଟା

ସୂର୍ଯ୍ୟ ଅସ୍ତ \_\_\_\_\_ : **18:08:17** ଘଣ୍ଟା

ଦିନମାନ \_\_\_\_\_ : **11:05:28** ଘଣ୍ଟା

ସୂର୍ଯ୍ୟଙ୍କ ଛିତି ଆୟନ \_\_\_\_\_ : ଉତ୍ତରାୟନ

ସୂର୍ଯ୍ୟଙ୍କ ଛିତି ଗୋଲ \_\_\_\_\_ : ଦକ୍ଷିଣ

ଉତ୍ତୁ \_\_\_\_\_ : ଶିଶିର

ରବିଙ୍କ ଅଂଶ \_\_\_\_\_ : **29:44:20** ମକର

ଲଗ୍ନ ର ଅଂଶ \_\_\_\_\_ : **18:18:57** ମକର

### ଅବକହଡ଼ା ଚକ୍ର

ଲଗ୍ନ-ଲଗ୍ନାସିପତି \_\_\_\_\_ : ମକର - ଶନି

ରାଶି-ସ୍ୱାମୀ \_\_\_\_\_ : ତୁଳା - ଶୁକ୍ର

ନକ୍ଷତ୍ର-ଚରଣ \_\_\_\_\_ : ବିଶାଖା - **1**

ନକ୍ଷତ୍ର ସ୍ୱାମୀ \_\_\_\_\_ : ଗୁରୁ

ଘୋର \_\_\_\_\_ : ବୃଷି

କରଣ \_\_\_\_\_ : ବବ

ଗଣ \_\_\_\_\_ : ରାକ୍ଷସ

ଘୋରି \_\_\_\_\_ : ବ୍ୟାଘ୍ର

ନାଡ଼ୀ \_\_\_\_\_ : ଅକ୍ତ୍ୟ

ବର୍ଣ୍ଣ \_\_\_\_\_ : ଶୁକ୍ର

ବର୍ଣ୍ଣା \_\_\_\_\_ : ମାନବ

ବର୍ଣ୍ଣ \_\_\_\_\_ : ସର୍ପ

ପୁଞ୍ଜ \_\_\_\_\_ : ମଧ୍ୟ

ହଂସକ \_\_\_\_\_ : ବାୟୁ

ଜନ୍ମ ନାମାକ୍ଷର \_\_\_\_\_ : ତୀ-ତୀରଥ

ପାୟ ରାଶି-ନକ୍ଷତ୍ର \_\_\_\_\_ : ତାମ୍ର - ତାମ୍ର

ସୂର୍ଯ୍ୟ ରାଶି ପାୟାତ୍ୟ \_\_\_\_\_ : କୁମ୍ଭ



**FUTUREPOINT**  
Astro Solutions



## ଗ୍ରହ ସ୍ଥଳ ତଥା ତାହାର ସ୍ଥିତି

| ଗ୍ରହ    | ବ | ଅ | ରାଶି  | ଅଂଶ      | ରାଶି      | ନକ୍ଷତ୍ର     | ପଦ | ମା. | ରା      | ନ      | ଅଂଶ    | ସ୍ଥିତି     |
|---------|---|---|-------|----------|-----------|-------------|----|-----|---------|--------|--------|------------|
| ଲଗ୍ନ    |   |   | ମକର   | 18:18:57 | 433:00:22 | ଶ୍ରବଣା      | 3  | 22  | ଶନି     | ଚନ୍ଦ୍ର | ବୁଧ    | ---        |
| ସୂର୍ଯ୍ୟ |   |   | ମକର   | 29:44:20 | 01:00:40  | ଧନିଷ୍ଠା     | 2  | 23  | ଶନି     | ମଙ୍ଗଳ  | ଶନି    | ଶତ୍ରୁ ରାଶି |
| ଚନ୍ଦ୍ର  |   |   | ତୁଳା  | 22:52:42 | 13:57:55  | ବିଶାଖା      | 1  | 16  | ଶୁକ୍ର   | ଗୁରୁ   | ଶନି    | ସମ ରାଶି    |
| ମଙ୍ଗଳ   |   |   | ମେଷ   | 12:12:47 | 00:38:17  | ଅଶ୍ୱିନୀ     | 4  | 1   | ମଙ୍ଗଳ   | କେତୁ   | ବୁଧ    | ନିଜ ରାଶି   |
| ବୁଧ     | ଅ |   | ମକର   | 15:08:09 | 01:35:04  | ଶ୍ରବଣା      | 2  | 22  | ଶନି     | ଚନ୍ଦ୍ର | ଗୁରୁ   | ସମ ରାଶି    |
| ଗୁରୁ    | ବ |   | ସିଂହ  | 22:33:46 | 00:06:43  | ପୁ.ଫାଲ୍ଗୁନୀ | 3  | 11  | ସୂର୍ଯ୍ୟ | ଶୁକ୍ର  | ଶନି    | ମିତ୍ର ରାଶି |
| ଶୁକ୍ର   |   |   | ମୀନ   | 11:13:18 | 01:10:22  | ଭାଦ୍ରପଦ     | 3  | 26  | ଗୁରୁ    | ଶନି    | ଚନ୍ଦ୍ର | ଭଜ ରାଶି    |
| ଶନି     | ବ |   | ମିଥୁନ | 12:53:19 | 00:02:33  | ଆର୍ଦ୍ରା     | 2  | 6   | ବୁଧ     | ରାହୁ   | ବୁଧ    | ମିତ୍ର ରାଶି |
| ରାହୁ    |   |   | ମେଷ   | 20:59:32 | 00:00:03  | ଭରଣୀ        | 3  | 2   | ମଙ୍ଗଳ   | ଶୁକ୍ର  | ଗୁରୁ   | ଶତ୍ରୁ ରାଶି |
| କେତୁ    |   |   | ତୁଳା  | 20:59:32 | 00:00:03  | ବିଶାଖା      | 1  | 16  | ଶୁକ୍ର   | ଗୁରୁ   | ଗୁରୁ   | ସମ ରାଶି    |
| ପୁରୋ.   |   |   | କୁମ୍ଭ | 08:21:12 | 00:03:26  | ଶତଭିଷା      | 1  | 24  | ଶନି     | ରାହୁ   | ରାହୁ   | ---        |
| ନେପ.    |   |   | ମକର   | 19:21:32 | 00:02:15  | ଶ୍ରବଣା      | 3  | 22  | ଶନି     | ଚନ୍ଦ୍ର | ବୁଧ    | ---        |
| ପୁଟୋ    |   |   | ବିଛା  | 27:52:56 | 00:01:18  | ଜ୍ୟେଷ୍ଠା    | 4  | 18  | ମଙ୍ଗଳ   | ବୁଧ    | ଗୁରୁ   | ---        |
| ବଶମ     |   |   | ବିଛା  | 02:46:35 | --        | ବିଶାଖା      | -- | 16  | ମଙ୍ଗଳ   | ଗୁରୁ   | ରାହୁ   | --         |

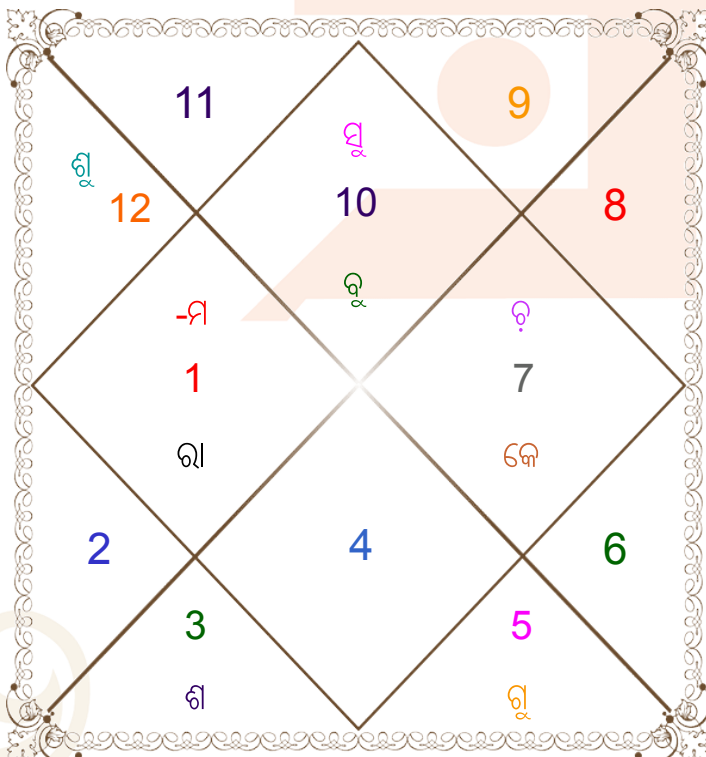
ବ - ବକ୍ରୀ ସ - ସ୍ଥିର

ଅ - ଅକ୍ଷ ପୁ - ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅକ୍ଷ

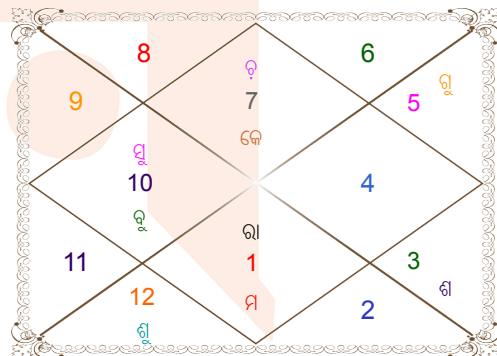
ରାହୁ : ସ୍ଥଳ

ଚିତ୍ରପଥ ଅଘନୀନ : 23:54:41

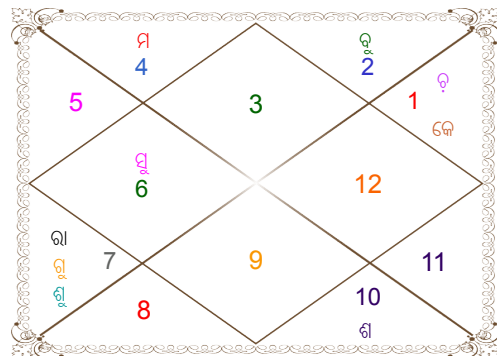
ଲଗ୍ନ-ଚଳିତ



ଚନ୍ଦ୍ର ଲଗ୍ନ



ନବମୀଶ ଲଗ୍ନ





## ବିଂଶୋଭରା ଦଶା

**ଭୋଗ୍ୟ ଦଶା କାଳ : ଗୁରୁ 12 ବର୍ଷ 6 ମାସ 16 ଦିନ**

| ଗୁରୁ 16 ବର୍ଷ |         | ଶନି 19 ବର୍ଷ |         | ବୁଧ 17 ବର୍ଷ |         | କେତୁ 7 ବର୍ଷ |         | ଶୁକ୍ର 20 ବର୍ଷ |  |
|--------------|---------|-------------|---------|-------------|---------|-------------|---------|---------------|--|
| 13/02/2004   |         | 30/08/2016  |         | 31/08/2035  |         | 30/08/2052  |         | 31/08/2059    |  |
| 30/08/2016   |         | 31/08/2035  |         | 30/08/2052  |         | 31/08/2059  |         | 31/08/2079    |  |
| 13/02/2004   | ଶନି     | 03/09/2019  | ବୁଧ     | 27/01/2038  | କେତୁ    | 26/01/2053  | ଶୁକ୍ର   | 30/12/2062    |  |
| 01/05/2005   | ବୁଧ     | 13/05/2022  | କେତୁ    | 24/01/2039  | ଶୁକ୍ର   | 28/03/2054  | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 31/12/2063    |  |
| 07/08/2007   | କେତୁ    | 22/06/2023  | ଶୁକ୍ର   | 24/11/2041  | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 03/08/2054  | ଚନ୍ଦ୍ର  | 30/08/2065    |  |
| 12/07/2008   | ଶୁକ୍ର   | 22/08/2026  | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 30/09/2042  | ଚନ୍ଦ୍ର  | 04/03/2055  | ମଙ୍ଗଳ   | 31/10/2066    |  |
| 13/03/2011   | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 04/08/2027  | ଚନ୍ଦ୍ର  | 01/03/2044  | ମଙ୍ଗଳ   | 31/07/2055  | ରାହୁ    | 30/10/2069    |  |
| 31/12/2011   | ଚନ୍ଦ୍ର  | 04/03/2029  | ମଙ୍ଗଳ   | 26/02/2045  | ରାହୁ    | 18/08/2056  | ଗୁରୁ    | 30/06/2072    |  |
| 01/05/2013   | ମଙ୍ଗଳ   | 13/04/2030  | ରାହୁ    | 15/09/2047  | ଗୁରୁ    | 25/07/2057  | ଶନି     | 31/08/2075    |  |
| 07/04/2014   | ରାହୁ    | 17/02/2033  | ଗୁରୁ    | 21/12/2049  | ଶନି     | 03/09/2058  | ବୁଧ     | 01/07/2078    |  |
| 30/08/2016   | ଗୁରୁ    | 31/08/2035  | ଶନି     | 30/08/2052  | ବୁଧ     | 31/08/2059  | କେତୁ    | 31/08/2079    |  |

| ସୂର୍ଯ୍ୟ 6 ବର୍ଷ |         | ଚନ୍ଦ୍ର 10 ବର୍ଷ |         | ମଙ୍ଗଳ 7 ବର୍ଷ |         | ରାହୁ 18 ବର୍ଷ |      | ଗୁରୁ 16 ବର୍ଷ |  |
|----------------|---------|----------------|---------|--------------|---------|--------------|------|--------------|--|
| 31/08/2079     |         | 30/08/2085     |         | 31/08/2095   |         | 01/09/2102   |      | 31/08/2120   |  |
| 30/08/2085     |         | 31/08/2095     |         | 01/09/2102   |         | 31/08/2120   |      | 00/00/0000   |  |
| 18/12/2079     | ଚନ୍ଦ୍ର  | 01/07/2086     | ମଙ୍ଗଳ   | 27/01/2096   | ରାହୁ    | 14/05/2105   | ଗୁରୁ | 19/10/2122   |  |
| 18/06/2080     | ମଙ୍ଗଳ   | 30/01/2087     | ରାହୁ    | 14/02/2097   | ଗୁରୁ    | 07/10/2107   | ଶନି  | 14/02/2124   |  |
| 24/10/2080     | ରାହୁ    | 31/07/2088     | ଗୁରୁ    | 20/01/2098   | ଶନି     | 13/08/2110   |      | 00/00/0000   |  |
| 18/09/2081     | ଗୁରୁ    | 30/11/2089     | ଶନି     | 01/03/2099   | ବୁଧ     | 02/03/2113   |      | 00/00/0000   |  |
| 07/07/2082     | ଶନି     | 01/07/2091     | ବୁଧ     | 26/02/2100   | କେତୁ    | 20/03/2114   |      | 00/00/0000   |  |
| 19/06/2083     | ବୁଧ     | 29/11/2092     | କେତୁ    | 26/07/2100   | ଶୁକ୍ର   | 20/03/2117   |      | 00/00/0000   |  |
| 24/04/2084     | କେତୁ    | 01/07/2093     | ଶୁକ୍ର   | 25/09/2101   | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 12/02/2118   |      | 00/00/0000   |  |
| 30/08/2084     | ଶୁକ୍ର   | 01/03/2095     | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 31/01/2102   | ଚନ୍ଦ୍ର  | 14/08/2119   |      | 00/00/0000   |  |
| 30/08/2085     | ସୂର୍ଯ୍ୟ | 31/08/2095     | ଚନ୍ଦ୍ର  | 01/09/2102   | ମଙ୍ଗଳ   | 31/08/2120   |      | 00/00/0000   |  |

❖ ଉପରୋକ୍ତ ଦଶା ଚନ୍ଦ୍ରମା ର ଅଂଶ ଉପରେ ଦିଆ ଯାଇଛି । ଭୟାବ ଉଭୋଗ ର ଅନୁସାରେ ଦଶା ଗୁରୁ ୧୨ ବର୍ଷ ୬ ମାସ ୧୨ ଦିନ ହେଉଛି ।

❖ ଉପରୋକ୍ତ ତିଆ ଦଶାର ସମାପ୍ତ ହେବାର ସମୟ ଦର୍ଶାଉଛି । ବିଶୋଭରା ଦଶା ପୁରା ୧୨୦ ବର୍ଷର ଆୟୁ ନିର୍ଣ୍ଣୟ ଦିଆ ଯାଇଛି ।

ଆପଣଙ୍କ ଜନ୍ମ ସମୟରେ ମକର ଉଦୟମାନ ଲଗ୍ନ ସଂଯୋଗ ମିଥୁନ ନବମାଂଶ ଓ ବୃଷ ଦ୍ଵେଷାଶ ସହିତ ଶୁକ୍ର ନକ୍ଷତ୍ର ର ତୃତୀୟ ପାଦରେ ଥିବାରୁ ନିଦେଶିତ ଯେ ସରସ୍ଵତୀ ଓ ଲକ୍ଷ୍ମୀ, ଜ୍ଞାନ ଓ ଧନ ର ଦେବୀ ଆପଣଙ୍କର ଅନୁଜ୍ଞା । ଆପଣଙ୍କ ଜୀବନ ଆରାମ ଓ ଆନନ୍ଦ ରେ କଟିବ । ଆପଣଙ୍କର ଆକର୍ଷକ ମନ ଲାଗି ଜୀବନସାଥୀ ରହିବେ ଏବଂ ସନ୍ତାନ ସନ୍ତତି ଭରପୁର କରିବେ । ଏ ଦୃଷ୍ଟି ରୁ ଆପଣ ଭାଗ୍ୟବାନ ।

ସଙ୍ଗୀତ ଜ୍ୟୋତିର୍ବିଦ୍ୟା ଓ ଗଣିତ ଶାସ୍ତ୍ରରେ ଅଭିରୁଚି ଥିବାରୁ ଏଥି ସହିତ ଗଭୀର ଭାବେ ଜଡ଼ିତ ରହି ନିଜର ଜ୍ଞାନ ର ପରିସୀମା କୁ ବିସ୍ତୃତ କରିବେ । ଆପଣଙ୍କର ସାଧାରଣ ଜ୍ଞାନ ଆଖପାଖ ସକଳ ଲୋକଙ୍କ ଉପରେ ପ୍ରଭାବ ବିସ୍ତାର କରିବାକୁ ସକ୍ଷମ ହେବ ଏବଂ ଲୋକ ବିଭିନ୍ନ ବିଷୟରେ ପରାମର୍ଶ ଓ ମାର୍ଗ ଦର୍ଶନ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ଦ୍ଵାରସ୍ଥ ହେବେ ।

୧୯ ଓ ୨୪ ବର୍ଷ ବୟସରେ ଆପଣ ସର୍ବାଧିକ ଲାଭାନ୍ୱିତ ହେବେ ଏବଂ ଆର୍ଥିକ ଭରପୁର ପ୍ରାରମ୍ଭ ହେବ । ଏହାକୁ ଭିତ୍ତି କରି ଓ ପରେ ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଧାନ ଏବଂ କଠୋର ପରିଶ୍ରମ କରିବା କ୍ଷମତା ବଳରେ ଆପଣ ଅଧିକତର ଭରପୁର ଆଶା କରି ପାରନ୍ତି । ବିପଦ ସତ୍ତ୍ୱେ ଆତ୍ମବିଶ୍ଵାସ ଯୋଗୁଁ ନିଜ କାର୍ଯ୍ୟ ସୁରୁ ଖୁରୁରେ ନିର୍ବାହ କରିବେ ।

ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟ ମୋଟା ମୋଟ ଭଲ ରହିଲେ ବି ପରିପାକ କ୍ରିୟାର ସମସ୍ୟା ଦେଖା ଦେଇ ପାରେ । ଚର୍ମ ରୋଗ, ଗଣ୍ଠି ବ୍ୟଥା ଓ କ୍ଷୟ ରୋଗ ପ୍ରତି ସାବଧାନ ରହିବାକୁ ହେବ । ନିୟମିତ ଡାକ୍ତର ପରାମର୍ଶ କରି ନେବା ବାଧ୍ୟତା ମୂଳକ କହିବା ପ୍ରୟୋଜନ । ଉଦାର ମନୋଭାବ ଯୋଗୁଁ ସମାଜ ସେବା ମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଅର୍ଥ ଦାନ କରିବେ । ୬, ୮ ଓ ୯ ସଂଖ୍ୟା ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ପ୍ରଚୁର ଲାଭଦାୟୀ । ୩ ସଂଖ୍ୟା ସର୍ବଦା ବର୍ଜନୀୟ ।

ମଙ୍ଗଳବାର, ବୁଧବାର, ଶୁକ୍ରବାର ଓ ଶନିବାର ଆପଣଙ୍କର ଆଦର୍ଶ ଦିବସ । ରବିବାର, ସୋମବାର ଓ ଗୁରୁବାର ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ଉପଯୋଗୀ ନୁହେଁ ।

ହଳଦୀ ଓ ଲହୁଣୀ ରଙ୍ଗ ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ଅନୁଜ୍ଞା ନୁହେଁ । ଧଳା, କଳା, ନାଲି, ନେଳି ଶୁଭଦାୟକ ।